Peer Reviewed/
Refereed Journal

ISSN -PRINT-2231-3613ONLINE2455-8729
International Educational Journal
CHETANA
Impact Factor SJIF=4.157

Received on 16th Oct. 2019, Revised on 28th Oct. 2019; Accepted 30th Oct. 2019

आलेख

गुजरात के प्राथमिक विद्यालयों में परिवर्तन का दौर

* डॉ. नरेंद्रकुमार पाल
Assistant Professor, M.Ed. College, 38, Keshav Bunglows, New Shahibaug, Ahmedabad
Email-drnavinsir@yahoo.in, Mob.-9924181920

मुख्य शब्द – प्राथमिक विद्यालय, परिवर्तन आदि।

सारांश:

प्रस्तुत लेख में गुजरात में प्राथमिक विद्यालयों में आ रहे परिवर्तन की चर्चा करने का प्रयास किया गया है. गुजरात सरकार के बहेतर प्रयासों से नए-नए कार्यक्रमों में मुख्य कार्यक्रमों का वर्णन किया गया है. भाषा-दिप कार्यक्रम, खेल-महाकुम्भ, इनोवेशन प्रोग्राम, कला-उत्सव, प्रतियोगिता का आयोजन, शिष्यवृति की परीक्षाओ का आयोजन, शिक्षक गुणवत्ता जैसे मुख्य बिन्दुओ पर चर्चा करने का प्रयास किया गया है.

प्रस्तावना

भारतीय शिक्षण प्रणाली और शिक्षण में वर्षोसे समय के अनुरूप परिवर्तन होता रहा है. भारतीय शिक्षण विविध सभ्यताओं के साथ भाषा, पर्यावरण, विज्ञानं, गणित जैसे विषयो में विद्यार्थियों को तैयार करने की दिशामे हमेशा से लगातार प्रयासरूप रहा है. देश के सभी राज्यों के साथ देखा जाए तो गुजरात भी शिक्षण में आमूल परिवर्तन करने की दिशा में प्रयासरत है. वर्तमान शोध लेख में गुजरात में प्राथमिक शिक्षण में हो रहे परिवर्तन और नए कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए मुख्य बिन्दुओ को समाविष्ट किया गया है.

प्राथमिक स्कूल की स्थिति

वर्तमान में गुजरात के प्राथमिक स्कूल की स्थिति में काफी तेजी से बदलाव हो रहा है. स्कूल के पुराने ढांचे के स्थान पर नए ढाँचे के साथ साथ अद्यतन सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है. नए इमारतों के साथ बच्चो के मानशिक, शारीरिक विकास को जोर देते हुए प्राथमिक स्कूलों में अच्छा की संख्या में वृद्धि देखि जा रही है. शहरी और ग्राम्य विस्तार में स्कूल की संख्या बढ़ाते हुए नए स्कूल शुरू करने का सर्कार का कदम सराहनीय है.

वर्तमान शिक्षण की गुणवत्ता

गुजरात के प्राथमिक स्कूलों में ६ से ८ के पाठ्यक्रमों में NCERT आधारित पठ्यक्रम लागू करके अभूतपूर्व कदम उठाया गया है. वर्तमान शिक्षण का पाठ्यक्रम गुजरात के विद्यार्थियों को देश के अन्य राज्यों के विद्यार्थियों के साथ स्वस्थ शिक्षण प्रतियोगिता में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने को प्रेरित करेगा. आगे के समय में गुजरात के विद्यार्थियों के ज्ञान के विस्तार के साथ आत्मविश्वास के साथ प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश के साथ अच्छे भविष्य की और ले जाएगा. शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए काफी स्कूलों को आधुनिक बनाने का भी प्रयोग सफल रहा है. ज्यादा से ज्यादा स्कूल में कक्षा ६ से ८ के खंडो को टेक्नोलोग्य से युक्त किया गया है.

ज्ञान-कुञ्ज प्रोजेक्ट

गुजरात के प्राथमिक विद्यालयों में ज्ञान-कुञ्ज कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा ६ से ८ के खंडो को कंप्यूटर, प्रोजेक्टर और आधुनिक प्रौद्योगिकी से युक्त करने का लक्ष्य रक्खा है. ज्ञान-कुञ्ज कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दीक्षा प्रोटाल का भी सहयोग मिलेगा, जिससे विद्यार्थी कक कोड के जरिये किसी भी स्मार्ट-फ़ोन के जरिये भी कही भी किसी भी समय किसी भी विषय के विषय-वास्तु का अध्ययन करते हुए ज्ञान प्राप्ति की और अग्रसर हो सकता है. गुजरात सर्कार ने ज्यादा से ज्यादा प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए गणित, विज्ञानं, सामाजिक विज्ञानं कैसे विषयो को पढ़ने पर जोड़ दिया है.

श्रेष्ठ शिक्षकों की नियुक्तियां

गुजरात में पिछले कुछ वर्षो से लगातार समय समय पर शिक्षकों की नियुक्तियां हो रही है. वर्तमान नियुक्ति प्राप्त शिक्षकों की क्षमता, ज्ञान, प्रौद्योगिकी में निपुणता के साथ सरल शिक्षण पद्धति के प्रयोग से शिक्षण प्रक्रिया में काफी अच्छा परिणाम प्राप्त हो रहा है. विद्यार्थियों को भी शिक्षकों के साथ शिक्षण कार्य में उत्साह के साथ ज्ञान प्राप्ति करते देखा जा सकता है. वर्तमान में गुजरात के प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के शिक्षण प्रवुर्तियो के साथ शिष्यवृति, प्रतियोगिता, खेल महाकुम्भ, कला महोत्सव, सर्जनात्मकता मेला, विज्ञानं मेला जैसे में हिस्सा बन रहे है और आगे बी बढ़ रहे है. वर्तमान में गुजरात के प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों में भी िद्यार्थियो की क्षमता के अनुरूप आगे प्लेटफॉर्म मिले ऐसे प्रयास कर रहे है. शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में भी काफी पारदर्शिता के साथ गुणवत्तायुक्त शिक्षकों का चयन हो रहा है. शिक्षकों को भी शिक्षा के क्षेत्र में दी जाने वाली तालीम में भी ऑनलाइन तालीम देने की व्यवस्था की गई है. जिससे शिक्षण कार्य को भी बाधित न करते हुए अपने तालीम के समय को शिक्षक स्वयं अनुकूलता के साथ प्राप्त कर सकते है.

भाषा-दिप कार्यक्रम

वर्तमान प्राथमिक विद्यालयों में आधुनिकता के साथ साथ व्यक्तिगत भिन्नता को ध्यान रखते हुए कमजोर विद्यार्थयों के लिए ज्ञान-दिप कार्यक्रम सुरु किया गया है. इस क्रायक्रम के अंतर्गत जो विद्यार्थी पठाई में कमजोर है उन्हें मुख्या धारा में लाने के लिए प्रादेशिक भाषा, गणित और लेखन की क्षमता विकसित करने का कार्य किया जा रहा है. वर्तमान इस कार्यक्रम के अंतर्गत गुजरात के प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण पप्रक्रिया को तेजी के साथ निर्धारित लक्ष्य की और जा रहा है.

सारांश

प्रस्तुत लेख में गुजरात में प्राथमिक विद्यालयों में आ रहे परिवर्तन की चर्चा करने का प्रयास किया गया है. गुजरात सरकार के बहेतर प्रयासों से नए नए कार्यक्रमों में मुख्या कार्यक्रमों का वर्णन किया गया है.

Website

(1) http://www.ssagujarat.org

**** Corresponding Author:***
डॉ. नरेंद्रकुमार पाल, *Assistant Professor,*
M.Ed. College, 38, Keshav Bunglows, New Shahibaug, Ahmedabad
Email-drnavinsir@yahoo.in, Mob.-9924181920